ओ तेरा किसने किया श्रृगारं भोले सावरिया

ओ तेरा किसने किया श्रृगारं भोले सावरिया
तुम्हें किसने लगाया गुलाल भोले सावरिया
ओ तेरा किसने किया श्रृगारं

जटाजूट माथे पे चंदा अदभुत रूप निराला हैं
अदभुत रूप निराला बाबा अदभुत रूप निराला
गल सर्पो का हार तेरे गल ओ भोले सावरिया।
तेरा किसने किया श्रृगारं

तन पे भस्म लगाई तेने कान में कुण्डल पाया है जी
ब्रह्मा विष्णु समझ ना पाए ऐसा खेल रचाया है जी
जग सिरजनहार ओ मेरे जग के सिरजनहार भोले सवारिया
तेरा किसने किया श्रृगारं

बैल सवारी करे रे बाबा डमरू ऐसा बजावे रे
तीन लोक में डंका बाजे ऐसा दर्श दिखावे रे
रोहित भी तेरा गुण गावे तुम को शीश निवाववे रे
सब का किया उधार भोले सावरिया तेने
तेरा किसने किया श्रृगारं भोले सावरिया

Source:
https://www.bharattemples.com/o-tera-kisne-kiya-shingar-bhole-sanwariyan/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw